प्रेस विज्ञप्ति

मुख्यमंत्री जनपद बागपत में नव नाथ मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा व आठमान भण्डारा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की विरासत एवं आध्यात्मिक संस्कृति के प्रतीक केन्द्रों का पुनर्प्रतिष्ठा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा : मुख्यमंत्री

बागपत एक पौराणिक स्थल, इसका इतिहास महाभारतकालीन

सनातन धर्म के प्रतीक मन्दिरों, मठों और पवित्र तीर्थ स्थलों को विखण्डित करने का प्रयास किया गया था, उन तीर्थ स्थलों की पुनर्प्रतिष्ठा हो रही

सनातन धर्म ने कभी किसी पर जबरदस्ती आधिपत्य स्थापित नहीं किया, जबरन किसी को गुलाम बनाने का कार्य नहीं किया

यदि आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा, अगर हम अपने स्वार्थ के लिए धर्म का दुरुपयोग करेंगे तो उससे नष्ट हुआ धर्म हमें भी नष्ट कर देगा

हमें जाने–अनजाने में देश और धर्म को नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए

पूर्वजों ने हमें राम–राम का सम्बोधन दिया, जो हमें विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता

गुरु गोरक्षनाथ जी भगवान शिव के योगी रूप, उन्होंने जन–जागरण में धर्म की अलख जगाने का कार्य किया, सिद्धों एवं योगियों ने गुलामी के कालखण्ड में भी उस जन–जागरण को निरन्तरता प्रदान की

सिद्ध योगी सारंगी वादन एवं भजनों के माध्यम से गांव–गांव जाकर लोगों को आक्रमण के समय एकजुट कर आक्रान्ताओं के खिलाफ खड़ा करते थे

11 मई, 2026 : लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज जनपद बागपत स्थित श्री शिव गोरखनाथ आश्रम में नव नाथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व आठमान भण्डारा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश के लिए बहुत पवित्र दिन है। आज श्री सोमनाथ महादेव मन्दिर की पुनर्प्राणप्रतिष्ठा का अमृत पर्व भी है। सन् 1026 में विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम श्री सोमनाथ महादेव मन्दिर का विध्वंस हुआ था। वर्ष 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी के कर-कमलों से श्री सोमनाथ महादेव के मन्दिर की पुनर्प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ था। आज भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं श्री सोमनाथ महादेव मन्दिर में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के आयोजन से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उन्हें काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के श्रीचरणों में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के आयोजन से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज का दिन एक और कारण से बहुत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन श्रद्धेय अटल जी ने 'ऑपरेशन शक्ति' के अन्तर्गत पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण सम्पन्न किए थे, जिससे भारत दुनिया का परमाणु शक्ति सम्पन्न एक महत्वपूर्ण देश बना था। भारत की इस सफलता से दुनिया आश्चर्यचकित थी। हमारी शक्ति हमारे सामर्थ्य की प्रतीक तो है ही, साथ ही यह विश्व कल्याण के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि सनातन धर्म ने कभी भी किसी पर जबरदस्ती आधिपत्य स्थापित नहीं किया है और जबरन किसी को गुलाम बनाने का कार्य नहीं किया है। दुनिया में भारत एक ऐसा देश है, जो लगातार विदेशी आक्रांताओं से जूझता रहा और सम-विषम परिस्थितियों में लड़ता रहा। जिन आक्रांताओं ने भारत के सनातन धर्म के प्रतीक मन्दिरों, मठों और पवित्र तीर्थ स्थलों को विखण्डित करने का प्रयास किया था, उन सभी तीर्थ स्थलों की फिर से पुनर्प्रतिष्ठा हो रही है, लेकिन उन आक्रांताओं का आज नामो-निशान भी नहीं बचा है। यही सनातन की ताकत है। सनातन धर्म की इसी ताकत का एहसास कराने के लिए आज उन्हें बागपत की पावन धरा पर आने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बागपत एक पौराणिक स्थल है। इसका इतिहास महाभारतकालीन है। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरवों से पाण्डवों के लिए जो पाँच गाँव माँगे थे, उसमें से बागपत भी एक था। आज यह बागपत एक जनपद है। इसी प्रकार, अन्य

गाँवों में से सोनीपत और पानीपत हरियाणा राज्य के जनपद हैं। 04 वर्ष पूर्व भी वह यहाँ आए थे, तब यह एक छोटा स्थान था। संत अर्जुन नाथ जी तथा गाँव के सभी श्रद्धालुजनों ने इस स्थान को एक तीर्थ बनाने में अपना योगदान दिया है। अपनी विरासत की रक्षा इसी प्रकार होती है। आपके पूर्वजों ने इस धरा को 5,000 वर्षों से अधिक समय से संजोकर रखा है, जिसे बागपत गौरव के साथ आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जी की कर्मभूमि के रूप में इस धरा ने देश-दुनिया में अपना नाम रोशन किया है। डॉ0 सतपाल सिंह यहीं से निकलकर मुम्बई के पुलिस कमिश्नर बने। इसी धरा से निकले चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल, केन्द्र व राज्य सरकार के साथ मिलकर न केवल बागपत, बल्कि प्रदेश और देश के विकास के नित्य नए प्रतिमान गढ़ रहा है। इनमें विरासत का संरक्षण भी है और विकास भी। दोनों एक साथ चल रहे हैं। विकास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए वह स्वयं इस स्थान पर आज आए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सनातन परम्परा में कहा गया है कि 'धर्मो रक्षति रक्षितः'। यदि आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। अगर हम अपने स्वार्थ के लिए धर्म का दुरुपयोग करेंगे तो उससे नष्ट हुआ धर्म हमें भी नष्ट कर देगा। हमें जाने-अनजाने में देश और धर्म को नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए। व्यक्ति की क्षति हो जाए तो उसकी भरपाई हो सकती है। धर्म की क्षति होने पर उसकी भरपाई नहीं हो सकती। इसका खामियाजा हमें और आने वाली पीढ़ी को भुगतना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की विरासत एवं आध्यात्मिक संस्कृति के प्रतीक केन्द्रों का पुनर्प्रतिष्ठा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इनका उद्देश्य भी यही है कि हम अपने अतीत से जुड़कर ही अपने उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। हम काशी विश्वनाथ मन्दिर के अपमान को विस्मृत नहीं कर सकते। हमने अयोध्या को विस्मृत नहीं किया। हम अयोध्या के लिए लगातार लड़ते रहे। परिणाम सामने आया और डबल इंजन सरकार ने अयोध्या में भव्य श्रीराम मन्दिर का निर्माण कराया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में कहीं भी जाते थे, तो वहां पर हमारे पूर्वज राम-राम का सम्बोधन करते थे। इसलिए जब भी हम मिलेंगे तो आपस में अभिवादन के लिए राम-राम का सम्बोधन करेंगे। जब हम एक

दिशा में सोचते, एक दिशा में कार्य करते तथा एक दिशा में आगे बढ़ते हैं तो उसका परिणाम सामने आता है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर का निर्माण हो पाया। यह उन पूर्वजों की कृतज्ञता है, जिन्होंने हमें राम–राम के सम्बोधन दिया। यही वह परम्परा है, जो हमें विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोमनाथ मन्दिर, काशी विश्वनाथ मन्दिर, अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर, महाकाल में महालोक, विन्ध्यवासिनी धाम तथा केदारपुरी का पुनरुद्धार कार्य सम्पन्न हुआ। प्रत्येक विधान सभा में मन्दिरों के पुनरुद्धार कार्य हुए हैं। यहां पर श्री अजय कुमार के नेतृत्व में संत अर्जुन नाथ जी ने इस स्थान पर पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न कराया। हर विधान सभा क्षेत्र में डबल इंजन सरकार ने दर्शनीय स्थलों को बेहतर करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे घर के साथ ही, देवी–देवताओं के स्थल भी सुन्दर और व्यवस्थित होने चाहिए। आज यहां पर नव नाथों की मूर्ति का प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है। गुरु गोरक्षनाथ जी भगवान शिव के योगी रूप हैं, उन्होंने जन–जागरण में धर्म की अलख जगाने के लिए के जिस विशाल कार्य को अपने हाथों में लिया था, उनके सिद्धों एवं योगियों ने गुलामी के कालखण्ड में भी उस जन–जागरण को निरन्तरता प्रदान की। विदेशी आक्रान्ताओं के आक्रमण के समय भी सिद्ध योगी सारंगी वादन एवं भजनों के माध्यम से गांव–गांव जाकर लोगों को एकजुट कर आक्रान्ताओं के खिलाफ खड़ा करते थे। यह होती है राष्ट्रभक्ति, जो सिर्फ गुफाओं और मन्दिरों तक सीमित नहीं रही। अगर धर्म व संस्कृति पर हमला होगा, तो योगी उसका मुकाबला कर मुंहतोड़ जवाब देंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आप एक समृद्ध विरासत के वारिस हैं। जो संकट में खड़ा हो, वही संत है। जो संकट में पलायन करे, वह संत नहीं हो सकता। उन्होंने संत अर्जुन नाथ जी से कहा कि यहां आसपास के गांवों के लोगों को जोड़कर धार्मिक आयोजन करते रहें।

———————